

# AstroHelpDesk



## साढ़ेसाती और शनि चक्र

### Review Demo

शनि - गुरु - बुध

सिंह · कुंभ

15 जून 1990 · 10:30 · Jaipur, India

---

### आपका निजी संस्करण

सरल शब्द · तारीखें · आधार

काल्पनिक नमूना · उदाहरण के जन्म विवरण

## आपकी रिपोर्ट एक नज़र में

Review Demo · 17 अक्टू 2026 · Jaipur, India

### पाँच जीवन क्षेत्र · जन्म कुंडली का सहयोग

|   |             |                        |        |
|---|-------------|------------------------|--------|
| 1 | सीख और रचना | <div><div></div></div> | 28 अंक |
| 2 | धन          | <div><div></div></div> | 28 अंक |
| 3 | काम         | <div><div></div></div> | 27 अंक |
| 4 | दिनचर्या    | <div><div></div></div> | 24 अंक |
| 5 | रिश्ते      | <div><div></div></div> | 23 अंक |

सर्वाष्टकवर्ग मूल राशि-सहयोग का योग है। यह व्यक्ति का मूल्य या घटना की संभावना नहीं है।

### फलादेश के साथ रखने योग्य तीन सावधानियाँ

- घर का खर्च, रिश्तेदार की देखभाल और बचत की जरूरत बदली थी या नहीं, यह पूछें।
- देखें काम का तरीका अभी भी जरूरी नतीजे के अनुकूल है या नहीं।

### इस संस्करण की चल रही दशा

शनि – गुरु – बुध

काल्पनिक नमूना · उदाहरण के जन्म विवरण

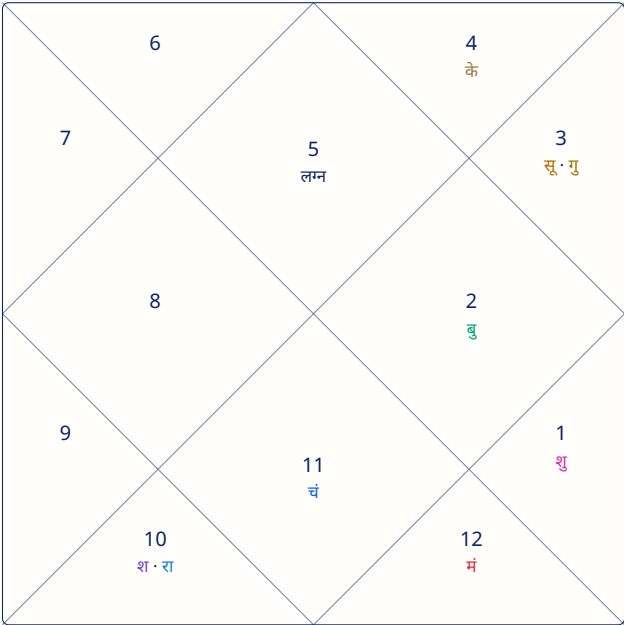
## आपका फलादेश एक नज़र में

मुख्य ध्यान

29 मार्च 2025 – 03 जून 2027 (उम्र 34–36): नई जिम्मेदारी जोड़ने से पहले बचत, परिवार के योगदान और संभलकर बोलने पर अधिक ध्यान देना उपयोगी रहेगा। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 2वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

मौजूदा दशा

शनि – गुरु – बुध



जन्म विवरण: 15 जून 1990 · 10:30 · Jaipur, India

## जीवन के दौर • महादशा समयरेखा

| गुरु | शनि  | बुध  | केतु | शुक्र | सूर्य | चंद्र |
|------|------|------|------|-------|-------|-------|
| 1990 | 2014 | 2037 |      | 2061  |       | 2085  |

ये परंपरागत वैदिक फलादेश हैं, गारंटी नहीं।

### अध्याय 1

## अभी आपका शनि अध्याय

29 मार्च 2025 – 03 जून 2027 (उम्र 34–36): नई जिम्मेदारी जोड़ने से पहले बचत, परिवार के योगदान और संभलकर बोलने पर अधिक ध्यान देना उपयोगी रहेगा। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 2वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

### अध्याय 2

## चढ़ती साढ़े साती • उम्र 0–3

परिवार के आधार को भरोसे और नियमित दिनचर्या की जरूरत थी: उम्र 0–3 में शनि मकर में जन्म चंद्र से 12 में था।

### अध्याय 3

## मध्य साढ़े साती • उम्र 2–5

परिचित बड़ों के धैर्यपूर्ण मार्गदर्शन से आत्मविश्वास बढ़ा: उम्र 2–5 में शनि कुंभ में जन्म चंद्र से 1 में था।

### अध्याय 4

## उतरती साढ़े साती • उम्र 4–7

परिवार के साधन और घर में बोले शब्द महत्वपूर्ण रहे: उम्र 4–7 में शनि मीन में जन्म चंद्र से 2 में था।

### अध्याय 5

## कंटक ढैया • उम्र 9–12

घर और शुरुआती स्कूल को बड़ों का भरोसेमंद सहयोग चाहिए था: उम्र 9–12 में शनि वृषभ में जन्म चंद्र से 4 में था।

## अष्टम ढैया • उम्र 19-22

पढ़ाई की योजना में रुकावट को मदद और नई दिनचर्या चाहिए थी: उम्र 19-22 में शनि कन्या में जन्म चंद्र से 8 में था।

## चढ़ती साढ़े साती • उम्र 29-32

आराम, खर्च और अधूरे वादों में सही सीमा जरूरी थी: उम्र 29-32 में शनि मकर में जन्म चंद्र से 12 में था।

## मध्य साढ़े साती • उम्र 31-34

अपनी क्षमता और जिम्मेदारी का भार मुख्य विषय बने: उम्र 31-34 में शनि कुंभ में जन्म चंद्र से 1 में था।

## उतरती साढ़े साती • उम्र 34-36

बचत, घर की जिम्मेदारी और स्पष्ट वाणी ध्यान माँगते थे: उम्र 34-36 में शनि मीन में जन्म चंद्र से 2 में था।

## 17 अक्टू 2026 – 16 नव 2026

17 अक्टू 2026 – 17 नव 2026 (उम्र 36): नई जिम्मेदारी जोड़ने से पहले बचत, परिवार के योगदान और संभलकर बोलने पर अधिक ध्यान देना उपयोगी रहेगा। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 2वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

## 17 नव 2026 – 16 दिस 2026

17 नव 2026 – 17 दिस 2026 (उम्र 36): नई जिम्मेदारी जोड़ने से पहले बचत, परिवार के योगदान और संभलकर बोलने पर अधिक ध्यान देना उपयोगी रहेगा। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 2वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

## 17 दिस 2026 – 16 जन 2027

17 दिस 2026 – 17 जन 2027 (उम्र 36): नई जिम्मेदारी जोड़ने से पहले बचत, परिवार के योगदान और संभलकर बोलने पर अधिक ध्यान देना उपयोगी रहेगा। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 2वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

## 17 जन 2027 – 16 फ़र 2027

17 जन 2027 – 17 फ़र 2027 (उम्र 36): नई जिम्मेदारी जोड़ने से पहले बचत, परिवार के योगदान और संभलकर बोलने पर अधिक ध्यान देना उपयोगी रहेगा। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 2वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

## 17 फ़र 2027 – 16 मार्च 2027

17 फ़र 2027 – 17 मार्च 2027 (उम्र 36): नई जिम्मेदारी जोड़ने से पहले बचत, परिवार के योगदान और संभलकर बोलने पर अधिक ध्यान देना उपयोगी रहेगा। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 2वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

## 17 मार्च 2027 – 16 अप्रै 2027

17 मार्च 2027 – 17 अप्रै 2027 (उम्र 36): नई जिम्मेदारी जोड़ने से पहले बचत, परिवार के योगदान और संभलकर बोलने पर अधिक ध्यान देना उपयोगी रहेगा। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 2वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

## 17 अप्रै 2027 – 16 मई 2027

17 अप्रै 2027 – 17 मई 2027 (उम्र 36): नई जिम्मेदारी जोड़ने से पहले बचत, परिवार के योगदान और संभलकर बोलने पर अधिक ध्यान देना उपयोगी रहेगा। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 2वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

## 17 मई 2027 – 16 जून 2027

17 मई 2027 – 17 जून 2027 (उम्र 36-37): नई जिम्मेदारी जोड़ने से पहले बचत, परिवार के योगदान और संभलकर बोलने पर अधिक ध्यान देना उपयोगी रहेगा। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 2वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

## 17 जून 2027 – 16 जुल 2027

17 जून 2027 – 17 जुल 2027 (उम्र 37): इस अंतराल में साढ़ेसाती या ढैया सक्रिय नहीं है; उनका विशेष दबाव इस समय के फलादेश में नहीं जुड़ता। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 3वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

## 17 जुल 2027 – 16 अग 2027

17 जुल 2027 – 17 अग 2027 (उम्र 37): इस अंतराल में साढ़ेसाती या ढैया सक्रिय नहीं है; उनका विशेष दबाव इस समय के फलादेश में नहीं जुड़ता। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 3वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

## 17 अग 2027 – 16 सित 2027

17 अग 2027 – 17 सित 2027 (उम्र 37): इस अंतराल में साढ़ेसाती या ढैया सक्रिय नहीं है; उनका विशेष दबाव इस समय के फलादेश में नहीं जुड़ता। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 3वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

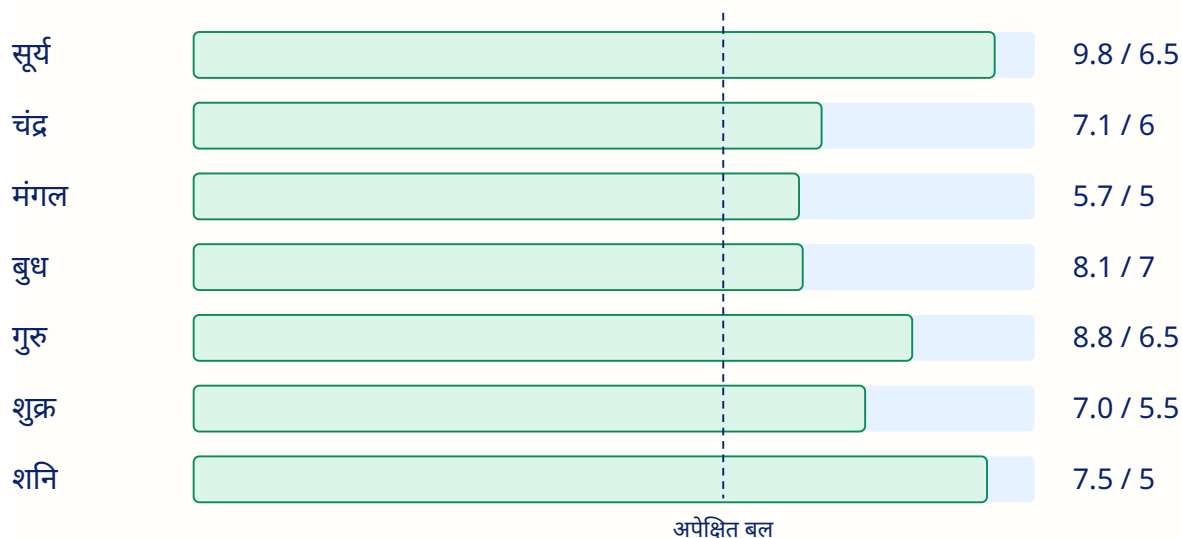
## 17 सित 2027 - 16 अक्टू 2027

17 सित 2027 - 17 अक्टू 2027 (उम्र 37): इस अंतराल में साढ़ेसाती या ढैया सक्रिय नहीं है; उनका विशेष दबाव इस समय के फलादेश में नहीं जुड़ता। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 3वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

## शनि चरणों का पूरा आधार

### आपकी कुंडली के चित्र

षड्बल · ग्रह के अपेक्षित बल से तुलना



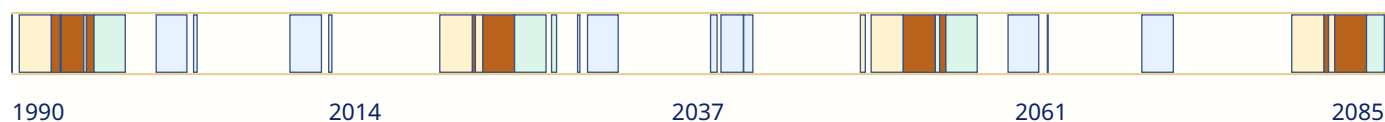
संख्या कुल / अपेक्षित रूप बताती है। बिंदीदार रेखा ग्रह का अपना अपेक्षित बल है।

### सर्वाष्टकवर्ग · बारह राशियाँ

|            |               |             |            |            |             |
|------------|---------------|-------------|------------|------------|-------------|
| मेष<br>35  | वृषभ<br>27    | मिथुन<br>25 | कर्क<br>24 | सिंह<br>24 | कन्या<br>28 |
| तुला<br>28 | वृश्चिक<br>29 | धनु<br>28   | मकर<br>34  | कुंभ<br>23 | मीन<br>32   |

राशि के बिंदु योग; रंग वाले खानों में 28 या अधिक हैं।

## जीवनकाल की साढ़े साती और ढैया



चढ़ती साढ़े साती · मध्य साढ़े साती · उतरती साढ़े साती · चौथे भाव की ढैया · आठवें भाव की ढैया

## अभी आपके लिए उपाय

ये स्वैच्छिक सहायक अभ्यास हैं, गारंटी नहीं। ऐसा छोटा अभ्यास चुनें जिसे निभा सकें। AstroHelpDesk से खरीद या उसे दान देना जरूरी नहीं है।

### शानि · शांति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ

#### रोजमर्रा

एक छोटा कर्तव्य स्थिर गति से करें और आराम की वास्तविक गुंजाइश रखें।

#### वैदिक परंपरा

### गुरु · मिश्रित स्वामित्व · पहले विशेषज्ञ से जाँच

#### रोजमर्रा

अच्छा सवाल पूछें, सलाह का कारण परखें और उपयोगी ज्ञान बाँटें।

#### वैदिक परंपरा

सामान्य स्वैच्छिक अभ्यास के लिए परंपरागत नवग्रह स्तोत्र चुन सकते हैं। अपनी परंपरा में सिखाया पाठ अपनाएँ; निश्चित फल का वादा न जोड़ें।

खरीदने से पहले ज्योतिषी से सलाह लें; स्वीकृति मिलने पर तीन दिन आजमाएँ और अस्वस्थ लगने या स्थिति बिगड़ने पर रोक दें। आकार से अधिक किफ़ायती गुणवत्ता और आराम चुनें; केवल शरीर के वजन से प्रभावी कैरेट तय नहीं होते। रत्न वैकल्पिक हैं और AstroHelpDesk रत्न नहीं बेचता।

स्वास्थ्य, कानूनी या धन संबंधी फैसलों के लिए संबंधित योग्य पेशेवर से सलाह लें। मंत्र, दान या रत्न उस सलाह का विकल्प नहीं हैं।

## आपके लिए प्रार्थना की एक परंपरा

आपकी कुंडली में सूर्य के माध्यम से शिव / राम स्वैच्छिक प्रार्थना के पारंपरिक केंद्र हैं। अपने विश्वासों के अनुरूप सहज अभ्यास चुनें।

यदि परिवार में कुलदेवता की परंपरा है तो बड़ों द्वारा पूजे जाने वाले कुलदेवता को पहले मानें। अपनी परंपरा में कुछ शांत मिनट प्रार्थना या मनन भी रख सकते हैं।

सरल दैनिक अभ्यास: सुबह की सामान्य दिनचर्या के बाद शांत बैठें, अपनी परंपरा के अनुकूल हो तो शिव / राम का स्मरण करें और दिन के लिए एक सद्भावपूर्ण काम चुनें।

धर्म देवता की जाँच में चंद्र से कृष्ण / पार्वती का संबंध जीवन के उद्देश्य से जुड़ता है। अलग जन्म-कुंडली तुलना में मंगल से हनुमान / कार्तिकेय / नरसिंह का संकेत मिलता है।

## ज्योतिषी दृष्टि • गणना के चरण

सात शास्त्रीय ग्रहों के राशि-अंतर्गत अंशों की तुलना; प्रार्थना स्थान में मौजूद सभी ग्रह शामिल।

अध्याय 22

### शनिवार की प्रार्थना और सेवा

शनिवार का नियमित समय शनि बीज मंत्र के लिए लें। अपनी साधना में सहज हो तो रोज 108 जप रखें। हनुमान चालीसा और शनि स्तोत्र परंपरागत साथ के पाठ हैं। उच्चारण धीरे सीखें और ध्यान से पढ़ा जा सकने वाला छोटा भाग लें। काले तिल, उड़द, कंबल और मजबूत जूते असली जरूरत वाले व्यक्ति या संस्था को दें। खरीदने से पहले जरूरत पूछें। वरिष्ठ या कर्मचारी की शांत सेवा पालन को व्यावहारिक रूप देती है। तय मेहनताना समय पर दें, वादा निभाएँ और छूटा काम पूरा करें। भक्ति और आचरण साथ हों। दिन, पाठ और पूरा काम छोटे लेखे में रखें।

अध्याय 23

### चंद्र से खास स्थान का अर्थ समझें

चढ़ती साढ़े साती चंद्र से बारहवें स्थान पर है और आराम, खर्च तथा अधूरे वादे में व्यवस्था माँगती है। मध्य चरण जन्म चंद्र पर होकर अपनी क्षमता और रोज की जिम्मेदारी सामने लाता है। अंतिम चरण चंद्र से दूसरे स्थान पर बचत, परिवार और वाणी का ध्यान देता है। चौथे स्थान की ढैया घर, पढ़ाई और स्थिर आधार की समीक्षा करती है। आठवें की ढैया साझा देनदारी और व्यवस्था बदलने में धैर्य माँगती है। हर महीने सभी चिंताएँ ढोने की जगह तारीख वाले अध्याय का असली चरण लें। साफ काम, उचित सीमा और भरोसेमंद मदद उपयोगी उत्तर देते हैं। संदर्भ तारीख नोट के पास रखें ताकि वक्री वापसी अलग पहचानी जाए।

अध्याय 24

### कठिन चरण की चार सप्ताह की दिनचर्या

पहले सप्ताह में सबसे अधिक समय लेने वाली तीन जिम्मेदारी लिखें और सरल होने वाला एक हिस्सा चुनें। दूसरे में बाकी काम के लिए सामान्य साप्ताहिक समय और सहयोग तय करें। तीसरे में छूटा लेखा, भुगतान या बातचीत पूरी करें। चौथे में देखें क्या सरल हुआ और कहाँ सीमा चाहिए। प्रार्थना और शनिवार की सेवा दोहराए जा सकने वाले आकार में रखें। नींद, भोजन और सामान्य देखभाल का समय स्थिर हो। बनी हुई स्वास्थ्य, कानूनी या धन की कठिनाई में भक्ति के साथ योग्य पेशेवर उत्तर लें। पूरी दिनचर्या इस पाठ के साथ रखें और अगले महीने को उन्हीं व्यावहारिक बातों से मिलाएँ।

अध्याय 25

### शनि के उपयोगी हिस्से को पहचानें

जन्म का शनि अपने भाव, राशि और स्वामित्व से गोचर का निजी वातावरण देता है। कठिन चरण में रखरखाव माँगती प्रक्रिया, सीमा माँगती अपेक्षा और अभ्यास माँगता कौशल दिख सकता है। एक बात चुनें और सुधार दिखाई देने वाला बनाएँ। निभी मुलाकात, दर्ज भुगतान और बराबरी से बँटा परिवार का काम ठोस नतीजे हैं। सीखने का समय दें और सामान्य व्यस्त सप्ताह के बाद काम देखें। शनि की लंबी गति पहले प्रयास के बाद भी चलने वाला काम पसंद करती है। टिकने वाला छोटा सुधार रखें और अगला तारीख वाला महीना पृष्ठभूमि का बदलाव दिखाए।

अध्याय 26

### आपकी प्रार्थना का आधार

## शनि को दोनों संदर्भों से पढ़ें

आपका जन्म शनि मकर में भाव 6 में है और भाव 6 तथा 7 का स्वामी है। यह जन्मकुंडली में उसकी स्थायी जिम्मेदारी है। मौजूदा गोचर जन्म चंद्र से 2 में होकर बदलता भावनात्मक और व्यावहारिक दौर बताता है। किस काम पर ध्यान देना है, यह चुनते समय दोनों संदर्भ साथ रखें। जन्म स्थिति बार-बार आने वाला कार्यक्षेत्र बताती है; गोचर उस काम को अभी निभाने की परिस्थिति दिखाता है। घर का काम, पढ़ाई और व्यवसाय तीनों में धैर्य लग सकता है, लेकिन जिम्मेदार व्यक्ति और मिलने वाला सहयोग अलग होगा। उपाय या अगली बातचीत चुनने से पहले असली काम का नाम लिखें।

अपनी समयरेखा से शनि का एक पूरा हुआ चरण चुनें और उसके दो तारीख वाले प्रमाण खोजें। वे पता बदलने का कागज, स्कूल का रिकॉर्ड, काम का समझौता या परिवार का कैलेंडर हो सकते हैं। अपनी याद और दस्तावेज से पक्की बात साथ लिखें। फिर वह सामान्य उत्तर पहचानें जिससे दौर सरल हुआ: नियमित मुलाकात, काम बाँटना, स्पष्ट अंतिम तारीख या थोड़ी बचत। उसी उपयोगी उत्तर को वर्तमान महीने में लाएँ। मौजूदा स्थिति साफ हो तो रखरखाव पूरा करें और अगले कठिन दौर से पहले दिनचर्या मजबूत करें। साढ़े साती या ढैया चल रही हो तो खुले वादे कम रखें और मुख्य जिम्मेदारी सामने रखें। छोटा साप्ताहिक अवलोकन तारीख की समयरेखा को निभाने वाले काम से जोड़ सकता है।

आने वाले सप्ताह में ऐसा काम चुनें जिसका पूरा होना साफ दिखे और समीक्षा का समय तय करें। मुलाकात, संबंधित व्यक्ति और जरूरी सामग्री एक नोट में रखें। ऊपर के मासिक अध्याय शनि की धीमी पृष्ठभूमि और चंद्र की छोटी दैनिक गति अलग दिखाते हैं। धीमे चक्र से जिम्मेदारी का आकार समझें और दिन की योजना से व्यावहारिक मुलाकात चुनें। काम पूरा होने पर उसी नोट में उपयोगी मदद लिखें। इससे शनि का पाठ आपकी अपनी सीख के लेखे में नियमित जगह पाता है।

## शब्दार्थ • सरल अर्थ

### लग्न

जन्म के समय पूर्व में उगती राशि।

### महादशा

पारंपरिक दशा चक्र की मुख्य ग्रह अवधि।

### साढ़ेसाती

जन्म चंद्र से पिछली, उसी और अगली राशि में शनि का गोचर।

### मध्य चरण

साढ़ेसाती के तीन चरणों में मध्य।

### भाव

कुंडली के बारह विभागों में से एक, जिससे जीवन का एक क्षेत्र पढ़ा जाता है। इसे घोषित भाव पद्धति के अनुसार समझें।

### स्वामी ग्रह

किसी राशि का परंपरागत स्वामी ग्रह। भाव में स्थित राशि का स्वामी उस भाव का स्वामी कहलाता है।

### आत्मकारक

इस पुस्तक की सात-ग्रह पद्धति में जन्म राशि के भीतर सबसे अधिक अंश वाला पारंपरिक ग्रह। राहु और केतु इस चयन में शामिल नहीं हैं।

### कारकांश

मूल D9 में आत्मकारक की राशि। यहाँ दी प्रार्थना-परंपरा की जाँच में इसे संदर्भ राशि लिया गया है।

### इष्टदेवता

स्वैच्छिक व्यक्तिगत प्रार्थना का परंपरागत संकेत; यहाँ इसे कारकांश से बारहवीं राशि से पढ़ा गया है। इससे आपकी धार्मिक पहचान तय नहीं होती।

### धर्मदेवता

उद्देश्य से जुड़ा प्रार्थना का परंपरागत संकेत। कारकांश से नौवीं राशि और जन्म लग्न से नौवीं राशि की जाँच अलग-अलग की जाती है।

### कुलदेवता

परिवार की पहले से चली आ रही पूजा-परंपरा। इसे कुंडली के स्वैच्छिक सुझाव से पहले रखें; नाम या कुंडली से इसका अनुमान नहीं लगाया जाता।